

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून-2008

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-I

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (अष्टकवर्ग)

1. निम्न का उत्तर दें :-

(क) प्रस्तुत पत्रिका के लिए शुक्र का प्रस्तार अष्टकवर्ग बनाएं।

(ख) शुक्र के प्रस्तार अष्टकवर्ग के क्या उपयोग हैं?

(ग) प्रस्तुत पत्रिका के लिए सूर्य का भिन्नाष्टक वर्ग बनाएं।

(घ) सूर्य के भिन्नाष्टक वर्ग के क्या उपयोग हैं?

लग्न : तुला 18:27 सूर्य : तुला 21:47 चन्द्र : मेष 4:10

मंगल : तुला 16:01 बुध : तुला 26:51 गुरु (व) : मीन 1:01

शुक्र : कन्या 5:47 शनि : वृश्चिक 14:23 राहु : वृष 26:14

केतु : वृश्चिक 26:14 जन्म : 8.11.1927, 6:26 वृष, दिल्ली

2. (क) अष्टकवर्ग पद्धति में त्रिकोण शोधन की प्रक्रिया समझाएं।

(ख) त्रिकोण शोधन व एकाधिपत्य शोधन का उपयोग बताएं।

3. अष्टकवर्ग पद्धति में आयुर्दय ज्ञात करने की विधि उदाहरण सहित समझाएं।

4. कक्षा क्या है? गोचर फल ज्ञात करने के लिए इसका कैसे प्रयोग होता है?

5. प्र. 1 में विभिन्न भावों के सर्वाष्टक बिन्दु इस प्रकार हैं :-

लग्न - तुला 25, द्वितीय भाव - 22, तृतीय 27, चतुर्थ 32, पंचम 32,
षष्ठ - 27, सप्तम - 19, अष्टम 24, नवम 28, दशम 37, एकादश 41,
द्वादश - 23

उपरोक्त सूचना के आधार पर निम्न के उत्तर दें :-

क. आय व व्यय

ख. मेहनत व आय

ग. जातक के जीवन का कौन सा भाग संपन्न होगा?

घ. वैवाहिक जीवन

भाग-II (प्रश्न ज्योतिष)

6. क. एक पत्रिका बनाएं व दिखाएं कि वे कौन सी तीन स्थितियाँ हैं जिसमें ज्योतिषी को उत्तर नहीं देना चाहिए व क्यों?

ख. एक से अधिक प्रश्नों का ज्योतिषी किस प्रकार उत्तर देगा?

7. 3 जून 2006 को 14:02 पर (स्थान 17 उ. 27, 78 पू. 27) पूछे प्रश्न के लिए निम्न पत्रिका बनती है :

लग्न : कन्या 13:49, सूर्य : वृष 18:42, चन्द्र : सिंह 12:06,

मंगल : कर्क 5:47 बुध : मिथुन 5:51, गुरु (व) : तुला 16:38,

शुक्र : मेष 11:42, शनि : कर्क 13:18, राहु : मीन 7:49,

केतु : कन्या 7:49

उपरोक्त प्रश्न स्थानांतरण के संदर्भ में किया गया। इस कुण्डली के आधार पर निम्न प्रश्नों का उत्तर दें :-

क. स्थानांतरण की क्या संभावना है?

ख. यदि हाँ तो कब तक?

ग. क्या स्थानांतरण जातक के पंसदीदा स्थान पर होगा?

घ. संपन्नता की दृष्टि से क्या यह शुभ होगा?

8. क. ज्योतिष में प्रश्न का क्या महत्त्व है? इसका क्या आधार है?

ख. प्रश्न कुण्डली कितने समय तक उपयोग की जा सकती है?

9. प्रश्न शास्त्र में कौन से योगों का प्रयोग होता है? किन्हीं पाँच योगों की चर्चा करें?

10. प्रश्न कुण्डली में सभी बारह भावों का महत्त्व बताएं?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

प्रश्न पत्र-II

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (षडबल)

1. निम्न पत्रिका के लिए नैसर्गिक बल व उच्च बल ज्ञात करें।
जन्म : 5.7.1945, 7:31 प्रातः बरेली (उ.प्र.)
लग्न : कर्क 16:46, सूर्य : मिथुन 19:35, चन्द्र मेष 20:36
मंगल : मेष 24:05, बुध : कर्क 9:22, गुरु : सिंह 28:05,
शुक्र : वृष 4:15, शनि : मिथुन 21:03, राहु : मिथुन 16:06,
केतु : धनु 16:06
2. प्रश्न 1 में दी पत्रिका के लिए अध्याधिपति, मासाधिपति और वाराधिपति व उनके बल ज्ञात करें?
3. निम्न पत्रिका के लिए ग्रहों के दिवारात्रि बल व पक्ष बल ज्ञात करें।
जन्म : 15.7.1968, 3:40 प्रातः, इलाहाबाद (उ. प्र.)
लग्न : मिथुन 5:58, सूर्य : मिथुन 29:04, चन्द्र : मीन 00:54
मंगल : मिथुन 22:21, बुध : मिथुन 8:40, गुरु : सिंह 11:24
शुक्र : कर्क 5:50, शनि : मेष 01:39, राहु : मीन 19:44,
केतु : कन्या 19:44
4. क. ओजयुग्म राश्यांश बल से आप क्या समझते हैं?
ख. प्र. 3 में दी पत्रिका के लिए दिग्बल ज्ञात करें?
5. निम्न की फलित में क्या उपयोगिता है?
क. दिक्बल ख. पक्षबल ग. चेष्टा बल

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. उपयुक्त उदाहरण के साथ पंच महापुरुष योग समझाएं।
अथवा
भाव बल की महत्ता समझाएं?
7. त्रेष्काण, सप्तांश व दशांश के क्या प्रयोग हैं? प्र. 1 की पत्रिका के संदर्भ में समझाएं।
8. कोई भाव कब (क) बली या (ख) निर्बल कहलाएगा? भाव का अध्ययन किस प्रकार किया जाता है?
9. प्र. 3 के जातक के लिए उपयुक्त वर्ग पत्रिका बनाकर उसके वैवाहिक जीवन पर चर्चा करें?
10. निम्न जातक के दशम भाव का चारों कारकों (सूर्य, बुध, गुरु व शनि) व दशमेश के आधार पर विवेचन करें।
जन्म : 24.10.1933, 14:15, पुरी (उड़ीसा)
लग्न : कुंभ 10:53, सूर्य : तुला 07:33, चन्द्र : धनु 16:58
मंगल : वृश्चिक 17:46, बुध : वृश्चिक 00:49, गुरु : कन्या 16:32
शुक्र : वृश्चिक 22:10, शनि : मकर 16:51, राहु : कुंभ 03:21

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (आयुर्दाय)

1. निम्न पत्रिका में अंशायु ज्ञात करें :-
जन्म : 23.3.59, 12:37 बजे गोरखपुर (उ.प्र.)
लग्न : 2 रा. 26:54, सूर्य 11रा. 8:37 4 रा 17:44
मंगल : 1 रा. 26:46 बुध (व) : 11 रा. 18:56 गुरु (व) 7 रा0 8:41
शुक्र : 0 रा. 9:36 शनि : 8 रा. 13:17 राहु : 5 रा. 19:39
केतु : 11 रा. 19:39
2. क. क्रमवार मारक की सूची से आप क्या समझते हैं?
ख. प्र. 1 के लिए मारक ग्रह लिखें।
3. पिण्डायु के आधार पर निम्न जातक का आयुर्दाय ज्ञात करें।
जन्म : 13.7.1972, प्रातः 7:31 दिल्ली
लग्न : कर्क 21:45, सूर्य : मिथुन 27:18 चन्द्र कर्क 26:25
मंगल : कर्क 15:39 बुध : कर्क 23:34, गुरु (व) : धनु 7:44
शुक्र : वृष 25:01 शनि : वृष 21:49 राहु : मकर 2:35
4. क. समझाएं कि कैसे व कब बालारिष्ट भंग होता है?
ख. मारक दशा का आयु जानने में, किस प्रकार प्रयोग होता है?
5. क. पूर्णायु व अल्पायु के योग लिखें।
ख. छिद्र ग्रह किन्हे कहते हैं? उनका ज्योतिष में क्या उपयोग है?

भाग-II (ज्योतिष और चिकित्सा)

6. निम्न भावों का चिकित्सा ज्योतिष में क्या महत्त्व है :-
क. तृतीय भाव ख. छठा भाव ग. अष्टम भाव
घ. द्वादश भाव ड. लग्न
7. निम्न के योग बताएं :-
क. कान के रोग ख. आंख संबंधी रोग ग. गुर्दे के रोग
घ. हृदय आघात
8. मानव शरीर का चित्र बनाते हुए उस पर शरीर के भागों पर 27 नक्षत्र दिखाएं।
9. निम्न के योग बताएं
क. हड्डी टूटना ख. मिरगी ग. मधुमेह
10. क. द्रेष्काण का चिकित्सा ज्योतिष में उपयोग बताएं?
ख. 22 वें द्रेष्काण का क्या महत्त्व है?

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-IV

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (दशा पद्धति)

1. निम्न कुण्डली का अध्ययन करें :-
जन्म : 14 अप्रैल 1942, 5.00 बजे प्रातः, मैंगलोर (कर्नाटक)
लग्न - मीन 5:48, सूर्य - मेष : 0:20, चन्द्र - मीन 11:33
मंगल - वृष 29:29, बुध - मीन 23:21, गुरु - वृष्ण 25:01
शुक्र - कुम्भ 14:01, शनि - वृष 3:54, राहु - सिंह 19:53
जन्म पर दशा शेष : शनि - 7 व 3 मा 13 दि
क. बुध महादशा के क्या सामान्य फल होंगे?
ख. जातक के विवाह के समय पर महादशा/अन्तरदशा/प्रत्यन्तर दशा का निर्धारण करें?
2. प्र. 1 के जातक की शुक्र महादशा व गुरु अन्तरदशा के सामान्य फलादेश पर चर्चा करें।
3. महादशा में किसी अन्तरदशा का फलादेश किन तथ्यों के आधार पर किया जाता है?
4. क. निम्न पत्रिका में योगिनी दशा व अन्तरदशा क्रम ज्ञात करें।
जन्म : 28 जून 1921, 13:02 घण्टे, बारगल (आन्ध्र प्रदेश)
लग्न - कन्या 24:47, सूर्य - मिथुन 13:16, चन्द्र - मीन 10:33
मंगल - मिथुन 13:22, बुध (व) - मिथुन 27:40, गुरु - सिंह 20:06
शुक्र - मेष 27:40, शनि - सिंह 26:26, राहु - तुला 1:43
जन्म पर दशा शेष - शनि 8 व 8 मा 17 दि.
ख. जातक बुध महादशा की राहु अन्तर दशा (विंशोत्तरी) में प्रधानमंत्री बना।
ज्योतिषीय आधार पर विवेचन करें।
5. निम्न घटनाओं का समय कैसे ज्ञात करते हैं।
क. पदोन्नति
ख. विदेश यात्रा

भाग-II (गोचर)

6. गोचर, कुण्डली के फलों को अन्तिम रूप देता है। चर्चा करें?
7. क. सप्तशलाका चक्र के उपयोग को समझाएं?
ख. द्विग्रह गोचर सिद्धांत क्या है?
8. निम्न पर संक्षिप्त में टिप्पणी लिखें :-
क. वक्री ग्रहों के फल
ख. विपरीत वेध
ग. मूर्ति निरणय
9. क. मंगल ग्रह का 6, 7 व 8 वें भाव में गोचर के क्या फल होंगे?
ख. बृहस्पति ग्रह का 6, 7 व 8 वें भाव में गोचर के क्या फल होंगे?
10. क. चन्द्र से 4, 8 व 12 वे भाव में शनि के गोचर के क्या फल होंगे?
ख. प्र. 1 के जातक की साढ़े साती के परिणाम समझाएं।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून 2008

समय : 3 घंटे

प्रश्न पत्र-V

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं।

भाग-I (जैमिनी ज्योतिष)

1. क. निम्न पत्रिका के लिए चर दशम ज्ञात करें।
जन्म 20 अगस्त 1944, 8:11 प्रातः, मुम्बई
लग्न - सिंह 28:45 सूर्य - सिंह 3:52 चन्द्र - सिंह 17:39
मंगल - कन्या 1:14 बुध - सिंह 28:35 गुरु - सिंह 12:13
शुक्र - सिंह 18:43 शनि - मिथुन 14:12 राहु - कर्क 4:22
ख. उपरोक्त पत्रिका में उपस्थित जैमिनी राज योगों पर चर्चा करें।
2. सत्य या असत्य बताएं।
 - i) जैमिनी में कारक स्थिर है पर पराशरी में वे बदलते रहते हैं।
 - ii) जिस ग्रह के अधिकतम भोगांश (राशि मिलाकर) होते हैं वह अमात्य कारक कहलाता है।
 - iii) जैमिनी में राशि को भाव के समान माना जाता है।
 - iv) आत्मकारक से अष्टमेष व द्वितीयेश में बली महेश्वर कहलाता है।
 - v) आत्मकारक बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि आत्मकारक का बलाबल सम्पूर्ण कुण्डली का बलाबल दर्शाता है।
 - vi) ब्रह्मा जिस राशि में होता है, स्थिर दशा वहां से आरम्भ होती है।
 - vii) तृतीय भाव में अशुभ ग्रह के कारण अर्गल का कोई परिहार नहीं होता है।
 - viii) दो ग्रहों में जिसका भोगांश अधिक होता है वह बली होता है।
 - ix) शुभ अर्गल की राशियों की दशा में शुभ परिणाम मिलते हैं।
 - x) जैमिनी दशाएँ राशियों के अधिपति व उनकी नक्षत्र स्थिति पर आधारित होती हैं।
3. क. कारकांश से आप किसी जातक का व्यवसाय कैसे बताएंगे?
ख. निम्न पत्रिका का विवेचन कर बताएं कि जातक धनी है अथवा नहीं?
जन्म 11 अक्टूबर 1942, 16:04 बजे, इलाहाबाद (उ.प्र.)
लग्न : कुंभ 22:48 सूर्य : कन्या 24:25 चन्द्र : तुला 10:56
मंगल : कन्या 22:39 बुध : कन्या 23:36 गुरु : कर्क 0:33
शुक्र : कन्या 15:15 शनि (व) वृष 19:13
राहु : सिंह 10:33
4. सक्षिप्त टिप्पणी लिखें।
क. अमात्यकारक ख. उपपद ग. ब्रह्मा
5. क. जैमिनी नियमों के द्वारा आयु निर्धारण कैसे करते हैं?
ख. प्र. 1 के लिए निम्न ज्ञात करें :-

i) उपपद

ii) अमात्यकारक, ज्ञातिकारक, भातृ कारक, मातृ कारक

भाग-II (विवाह एवं मेलापक)

6. क. पत्रिका में मेलापक में कुट्ट मिलान के अतिरिक्त किन तथ्यों को ध्यान दिया जाता है?

ख. निम्न पत्रिका का मेलापक करें :

जन्म तिथि	2.7.1955	18.8.1962
जन्म समय	00.57	1.15
जन्म स्थान	दिल्ली	दिल्ली
लग्न	मेष 2:03	मिथुन 00:01
सूर्य	मिथुन 15:56	सिंह 01:04
चन्द्र	वृश्चिक 8:39	कुंभ 28:46
मंगल	कर्क 0:37	मिथुन 3:38
बुध	वृश्च 27:30	सिंह 18:50
गुरु	कर्क 10:35	कुंभ (व) 16:11
शुक्र	वृश्च 29:12	कन्या 16:25
शनि	तुला (व) 21:31	मकर 13:28
राहु	धनु 3:16	कर्क 15:33

7. निम्न पत्रिका जिस जातिका की है उसका विवाह 19.2.1987 को हुआ।
जन्म 13.6.1967, 8.30 घंटे, नई दिल्ली, दशा शेष : बुध 2व.9मा.19दि.
लग्न कर्क 8:36, सूर्य वृश्च 28:02, चन्द्र कर्क 27:48, मंगल कन्या 23:29
बुध मिथुन 22:14, गुरु कर्क 10:14, शुक्र कर्क 13:11, शनि मीन 17:36
राहु मेष 12:51, केतु तुला 12:51

क. जल्द विवाह के ज्योतिषीय कारण बताएं।

ख. विवाह के समय शुक्र/राहुचन्द्र की विशोत्तरी दशा व मिथुन/धनु की चर दशा चल रही थी। विवाह समय की उपरोक्त आधार पर पुष्टि करें।

8. संक्षिप्त टिप्पणी लिखें :-

क. समान जन्म राशि

ख. नक्षत्र

ग. रज्जु कूट

घ. समान जन्म नक्षत्र

9. मंगल दोष क्या है? मंगल दोष किस के सापेक्ष में समझा जाता है? क्या प्र. 10 की पत्रिका में मंगल दोष है? किन स्थितियों में मंगल दोष का परिहार हो जाता है? कौन सा मंगल दोष अधिक प्रभावी होता है?

10. क. जीवन साथी को खोने के ज्योतिषीय योग लिखें।

ख. निम्न जातक के वैवाहिक जीवन पर विस्तार से लिखें।

जन्म : 29.09.1970, 3:20 बजे, मैंगलोर

शेष दशा : शुक्र 5व 1मा. 11दि.

लग्न : कर्क 27:10, सूर्य : कन्या 11:54, चन्द्र : सिंह : 23:15

मंगल : सिंह 22:53, बुध : सिंह 24:04, गुरु : तुला 14:13

शुक्र : तुला 23:59, शनि (व) : मेष 28:43, राहु : कुंभ 09:09

केतु : सिंह 09:09

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजीकृत) चेन्नई

ज्योतिष विशारद परीक्षा : जून-2008

प्रश्न पत्र-VI

समय : 3 घंटे

कुल अंक : 50

प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करते हुए, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दें। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रश्न 1 और 6 अनिवार्य हैं। (भाग 1 का उत्तर देते हुए जहाँ तक हो सके पराशरी और जैमिनी, दोनों पद्धतियों का प्रयोग करें।)

भाग-I (फलादेश की मिश्रित एवं उच्च तकनीक)

1. निम्न पत्रिका का अध्ययन करें :-

जन्म : 28 जून 1921, 13:02 घंटे, वारंगल (आन्ध्र प्रदेश)

लग्न : कन्या 24:47, सूर्य : मिथुन 13:16, चन्द्र : मीन 10:33

मंगल : मिथुन 13:32, बुध (व) : मिथुन 27:40 गुरु : सिंह 20:06

शुक्र : मेष 27:40 शनि : सिंह 26:26 राहु : तुला 1:43

दशा शेष : शनि 8व. 8मा. 17दि.

यह जातक सन् 1980 में भारत का विदेश मंत्री बना। डी1, डी9 व डी10 प्रयोग करते हुए ज्योतिषीय विवेचन करें।

2. निम्न पत्रिका का अध्ययन करें :

जन्म : 11 अक्टूबर 1942, 15:04 घंटे, 81 पू 51, 25 3.27

लग्न : कुंभ 03:12, सूर्य : कन्या 24:23 चन्द्र : तुला 10:21

मंगल : कन्या 22:36, बुध : कन्या 23:39 गुरु : कर्क 00:32

शुक्र : कन्या 15:11, शनि (व) : वृष 19:13 राहु : सिंह 10:25

दशा शेष (जन्म पर) : राहु 13 व. 0 मा. 7 दि.

निम्न घटनाओं का ज्योतिषीय विवेचन करें :

क. जुलाई 1982 में जातक ने जानलेवा दुर्घटना का सामना किया किन्तु बच गए।

ख. दिसम्बर 1984 में लोकसभा में चुने गए परन्तु अगस्त 1987 में त्यागपत्र दे दिया।

3. निम्न पत्रिका का अध्ययन करें।

जन्म : 26 नवम्बर 1938, 22:00 बजे रायगढ़ (महाराष्ट्र)

लग्न : कर्क 17:41, सूर्य : वृश्चिक 10:45, चन्द्र : मकर 2:48,

मंगल : कन्या 27:24, बुध : धनु 2:27, गुरु : कुंभ 1:46,

शुक्र (व) : वृश्चिक 0:33, शनि (व) : मीन 18:31, राहु : तुला 24:40

दशा शेष (जन्म पर) सूर्य 3 व 2 मा. 24 दि.

क. जातक के विवाह पर अपना मत बताए।

ख. जातक का किस दशा व अन्तर दशा में विवाह हुआ?

4. निम्न जातक की वैवाहिक स्थिति की चर्चा करें।

लग्न : कर्क 00:26, सूर्य : वृश्चिक 12:56, चन्द्र : मकर 23:53

मंगल : मकर 16:04 बुध : धनु 4:22, गुरु : धनु 20:24
 शुक्र : धनु 23:54, शनि : तुला 27:29, राहु : वृष 3:44
 केतु : वृश्चिक 3:44

सप्तम भाग में 19 अष्टक वर्ग बिन्दु हैं व ग्रहों का षड्बल इस प्रकार है : सूर्य 0.8, चन्द्र 1.4, मंगल 1.3, बुध 1.0, गुरु 0.8, शुक्र : 0.8 शनि 1.5। इन परिमाणों को अपनी विवेचना में प्रयोग करें।

5. क. सन्तान जन्म में बीज व क्षेत्र स्फुट की महत्ता समझाएं।
 ख. असामान्य विवाह की संभावना आप किस प्रकार बताएंगे?

भाग-II (मेदनीय ज्योतिष एवं मौसम विज्ञान)

6. भूकम्प के कारण ग्रहण है : उपयुक्त उदाहरण से स्पष्ट करें।
 अथवा

संवत्सर 2065 (प्लव) 9.25 बजे (भा.भा.स.) 6 अप्रैल 2008 को प्रारम्भ हुआ। उपयुक्त पत्रिका बना कर वर्ष में होने वाले विभिन्न प्रभावों पर चर्चा करें।

7. संक्षिप्त में बताएं (कोई दो)

क. कूर्म चक्र

ख. मुंडेन घटनाओं की जानकारी बताने के उपयोग में आने वाले नियम

ग. सप्त नाडी चक्र

8. क. बवंडर क्या है? बवंडर के ज्योतिषीय योग बताएं।

ख. योंगोन (म्यानमार) - 46 पू. 20, 13उ.45, में शनिवार 3 मई 2008 को एक भयंकर नरगिस नामक बवंडर आया जिसमें 40,000 लोग मारे गए व 60,000 लापता है। निम्न पत्रिका के आधार पर इस दुर्घटना का ज्योतिषीय विवेचन करें :-

लग्न : मिथुन 8:29	सूर्य : मेष 19:03,	चन्द्र : मीन 15:23
मंगल : कर्क 2:27	बुध : वृष 6:29,	गुरु : धनु 28:29,
शुक्र (अस्त) : मेष 9:9	शनि (व) : सिंह 7:42	राहु : कुम्भ 00:23
केतु : सिंह 00:23		

9. संक्षिप्त में लिखें :-

क. अच्छी वर्षा के योग

ख. हवाई दुर्घटना के योग

ग. तूफान

10. शनि की सिंह में स्थिति शेर बाजार व धातुओं की कीमतों पर किस प्रकार असर करेंगी।